Committee by Sail for Restructuring Marketing Devices

1265. SHRI JIBON ROY:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that SAIL had instituted a Committee for the purpose of restructuring its marketing devices and the committee has since submitted its report;

(b) if so, the recommendations of the Committee; and

(c) the response of Government to the above recommendations?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) to (c) No Sir, Steel Authority of India Ltd. (SAIL) had not set up a Committee for the purpose of restructuring its marketing division. However, in the changed market scenario, as part of an internal exercise aimed at improvement in sales and for meeting specific customers requirements, SAIL had appointed a Consultant to suggest the basis for organising SAIL's market related activities. Based on the recommendations received in July, 1995, the important organisational changes include placement of Market Development Specialists and Application Engineers in different regions, inter-alia to understand and focus on development of identified market segments and assist customers in dealing with the technical issues related to usage of SAIL steel. In addition, a Market Management Group and a Product Management Group have been created at the Central Marketing Organisation Headquarters in Calcutta for coordination activities of different regions related to development of marketing strategies for identified market segments, for development of production plan through interaction with Market Development Specialists, Market Managers and Plants, for distribution of specific products across market segments, etc.

मधुबनी, बिहार में स्वयंसेवी संस्थाओं को प्रदान की गयी वित्तीय सहायता

1266. **श्री राम देव भंडारी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार के मधुबनी जिले में स्वयंसेवी संस्थाओं को विभाग द्वारा प्रदान की गयी वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ख) प्रत्येक संस्था को वर्ष-वार प्रदान की गयी वित्तीय सहायता का योजनावार ब्यौरा क्या है और उन संस्थाओं के नाम तथा पते क्या-क्या हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग एवं संस्कृति विभाग में राज्य मंत्री) (कुमारी शैलजा): (क) एवं (ख) इस मंत्रालय द्वारा, बिहार के मधुबनी जिले में स्थित संगठनों सहित, स्वैच्छिक संगठनों को प्रदान की गई एक लाख रु० से अधिक की सहायता का विस्तृत विवरण इस मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है। उस जिले में विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों को शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 1994-95 के दौरान लगभग 16,79,915, रु० तथा चालू वित्तीय वर्ष अर्थात् 1995-96 के दौरान अब तक 4,68,250/-रु० की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इस संबंध में विस्तृत ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

बिहार के मधुबनी जिले में स्वैच्छिक संस्थाओं को दी गई वित्तीय सहायता सम्बन्धी ब्यौरा

क्रम सं०	स्वैच्छिक एजेंसी का नाम और पता	वर्ष 1994-95 के दौरान जारी अनुदान
1.	घोघरडीहा प्रखंड स्वराज्य विकास संघ, गांव एवं डाकघर - जगतपुर द्वारा घोघरडीहा, जिला मधुबनी, बिहार।	14,04,748/-
2.	प्रखंड लोक विकास समिति, गांव एवं डाकघर - पछही, जिला मधुबनी, बिहार।	1,37,415/-
3.	कमलेश्वरी अन्तोदय आश्रम, गांव - पोखरसोम, डाकघर - सलीमपुर, द्वारा पंडाल, जिला मधुबनी, बिहार।	1,37,762/-
4.	मदरसा तालीम-ए-निसवान, हुसैनपुर, चन्द्रसेनपुर, डाकघर - हुसैनपुर - द्वारा - रहीबा, जिला - मधुबनी, बिहार।	1,2,600/-
5.	मदरसा रहमानिया, तेलिया पोखर, जिला मधुबनी, बिहार।	10,800/-
6.	मदरसा मोहम्मदिया अरबिया, गांव रहीबा, जिला मधुबनी, बिहार।	10,800/-
7.	मदरसा फैज-ए-आम-सौदया, डाकघर - हुसैनपुर, जिला मधुबनी, बिहार।	12,600/-
8.	मदरसा रहमानिया, गांव एवं कम्पनी एखता, जिला मधुबनी, बिहार।	12,600/-
		वर्ष 1995-96 के दौरान अब तक जारी अनुदान (रु० में)
1.	घोघरडीहा प्रखंड स्वराज्य विकास संघ, गांव एवं डाकघर - जगतपुर, द्वारा घोघरडीहा, जिला मधुबनी, बिहार	4,68,250/-